6I6JZZR

संकलित परीक्षा - I (2016-17)

हिन्दी 'अ'

कक्षा -X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

जिस मनुष्य ने अपने भावों को व्यापक बना लिया हो, जिसने विश्व की आत्मा से समन्वय स्थापित कर लिया हो, वही महान साहित्यकार हो सकता है। जिसकी आत्मा विशाल हो जाती है, वह हँसने वालों के साथ हँसता है, रुदन करने वालों के साथ रुदन करता है। ऐसा साहित्य एक देश का होने पर भी सार्वभौम होता है। रामायण और महाभारत देशकाल से बँधे हुए नहीं, इसलिए वे अमर काव्य हैं।

मनुष्य जीवन संघर्ष में अपना देवत्व खो देता है, साहित्य उसे पुनः देवत्व प्रदान करता है। साहित्य उपदेशों से नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं को प्रेरित करके हममें ऊँची भावनाएँ जगाता है। साहित्य आदर्शों को स्थापित करके मनुष्य के जीवन का उन्नयन करता है। उसमें नैतिक मूल्यों का संचार करता है। सर्वसामान्य के प्रति प्रेम-भाव उत्पन्न करता है। भ्रष्टाचारियों और अनाचारियों के प्रति रोष जगाकर समाज को स्वच्छ बनाता है।

(i) जिसने अपने भावों को व्यापक बना लिया हो वही महान –

(क) ज्ञानी हो सकता है (ख) नेता हो सकता है
(ग) साहित्यकार हो सकता है (घ) शिक्षक हो सकता है

(ii) हंसने वालों के साथ हंसता है, रोने वालों के साथ रोता है –

(क) विशाल आत्मा वाला (ख) विशाल भवन वाला
(ग) विशाल परिवार वाला (घ) विशाल मन वाला

(iii) अमर काव्य है वह जो बंधा नहीं है –

(क) देश से (ख) समय से (ग) देशकाल से (घ) कुछ नियमों से

(iv) मनुष्य को पुनः देवत्व प्रदान करता है –

(क) संघर्ष (ख) देवता (ग) साहित्य (घ) समय

(v) ''भावना'' शब्द निम्नदोशब्दोंसेमिलकर बनाहै –

(क) भा+वना (ख) भौ+वना (ग) भौ+अना (घ) भो+अना

2 **निम्नलिखित गद्यांश पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

निस्संदेह यह फैशन विद्यार्थियों के लिए महँगा सौदा है। वे घरवालों के लिए समस्या बन जाते हैं। अध्यापक उन्हें सिरदर्द समझते हैं। समाज जो उन्हें भावी भारत समझता है उसकी आशाएँ निराधार हो जाती हैं, क्योंकि बचपन की चंचलता के कारण सस्ती भावना में भटककर वे अपने बहुमूल्य उद्देश्य 'विद्या' को भूल जाते हैं। हमारी वेषभूषा का अच्छा या बुरा प्रभाव दूसरों की अपेक्षा हम पर अधिक पड़ता है। उसका प्रभाव हमारी भौतिक उन्नति पर ही नहीं, चरित्र पर भी पड़ता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध विचारक और लेखक एमर्सन का कहना है कि सौम्यवेशसेजोआत्मशांतिमिलतीहै, वहधर्मसेभीनहींमिलती।सौम्यवेशधारीछात्रअपनेमार्गसेभटकतानहींहै।उसकाध्यानकेवलऔर केवललक्ष्यपर केन्द्रितरहता है। और ऐसे ही लोगों की आज ज़रूरत है, ताकि हमारा देश उन्नति की ओर निरन्तर अग्रसर रहे।

(i) आत्मशान्ति मिलती है :

(क) धर्म से (ख) सेवा से (ग) सौम्यवेशसे (घ) फैशन से

(ii) विद्यार्थी का बहुमूल्य उद्देश्य है :

(क) धन कमाना (ख) विद्या प्राप्ति (ग) फैशन करना (घ) महंगा सौदा

(iii) उसका प्रभाव हमारे चरित्र पर पड़ता है :

(क) हमारी चंचलता का (ख) भावना का (ग) स्वभाव का (घ) वेषभूषा का

(iv) 'बुरा प्रभाव' में बुरा किस प्रकार का विशेषण है?

(क) परिमाणवाचक (ख) सार्वनामिक (ग) गुणवाचक (घ) गणनावाचक

(v) "भौतिक" शब्द में मूलशब्द तथा प्रत्यय है :

(क) भूत+इक (ख) भौत+इक (ग) भू + तिक (घ) भूति + क

3 **निम्नलिखितपद्यांशपढ़ेंतथानीचेदिएगएप्रश्नोंकेलिएसहीविकल्पचुनकर लिखें:** 5

तुम भारत, हम भारतीय है, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मतहैकितुम्हेंदुष्टता-दृष्टि सेदेखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्यबलशाली।।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई
भारत की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते है
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरूष ढोते हैं।
तुम हो शस्यश्यामला, खेतों में तुम लहराती हो
प्रकृति प्राणमयि, सामगानमयि, तुम न किसे भाती हो।
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती?
गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गाई जाती?

(i) 'तुम माता हम बेटे' यहाँ कवि ने माता का सम्बोधनकियाहै-

(क) अपनी माता के लिए (ख) पृथ्वी माता के लिए
(ग) भारत माता के लिए (घ) गौमाता के लिए

(ii) एक अरब से अधिक भुजाओं वाली माता कहने से कवि का तात्पर्य है-

(क) भारत माता की एक अरब भुजाँ (ख) भारतवासियों की जनसंख्याबताना
(ग) अत्यधिक जनसंख्यासेहै (घ) भारत माँ को अत्यधिक शक्तिशाली बताना

(iii) भारत की साझी संस्कृति से आशय है-

(क) भारत के लोगों की संस्कृति साम्मिलितहै (ख) भिन्नधर्मों वपरम्पराओंवालीसंस्कृति
(ग) भिन्न-भिन्न जाति-भाषाओं वाली संस्कृति (घ) उपर्युक्त सभी

(iv) सक्षम का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखितमेंसेकौनसाहै?

(क) समर्थ (ख) असमर्थ (ग) अयोग्य (घ) अक्षमता

(v) उपर्युक्त पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक चुनिए-

(क) भारत माँ (ख) शस्य श्यामला (ग) वसुधा (घ) भारत भूमि

4 **निम्नलिखितपद्यांशपढ़ेंतथानीचेदिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखें :** 5

सम्माननहींहैवस्तुजो
खरीदी जा सकती हो बाजारों से
इसकी कीमत तुम पूछो जाकर
कलाकार, फनकारों से।
हासिल करना यदि इसे चाहते
तो आदर्शों के प्रतिमान बनो
ईर्ष्या से होता विध्वंस है
हो पाता ना निर्माण कोई
जो कुंठित है उसका समाज में
करता ना सम्मानकोई
प्रेम-बेल लहराओ उर में

तुम करूणा की खान बनो
गुणवान बना, गुणवान बना।
बलात्कार, अपहरण, खून
जो करते अपने हाथों से
बेच आत्मा जोड़ रहे वो
सिक्के कुछ अपराधों के
आहें लेकर मासूमों की
तुम मत ऐसे हैवान बनो
गुणवान बनो, गुणवान बनो।
छोड़ो तुम आलस के तम को
हर क्षण करो समर्पित श्रम को
कर्म-वचन-मन के बल से तुम
नव विकास, निर्माण बनो
गुणवान बनो, गुणवान बनो।

(i) कविता का उचित शीर्षक है :
(क) कलाकारों का महत्व (ख) गुणवान बनो (ग) वस्तु की कीमत (घ) लोगों की सहायता

(ii) कवयित्री के अनुसार वस्तु की असली कीमत कौन जानता है?
(क) परिश्रमी मानव (ख) बनाने वाला कलाकार (ग) समझदार व्यक्ति (घ) कर्मशील व्यक्ति

(iii) कवयित्री के अनुसार ईर्ष्या से मानव का क्या होता है?
(क) निर्माण (ख) विध्वंस (ग) विवेक (घ) कोई नहीं

(iv) कवयित्री ने क्या छोडने को कहा है?
(क) गुण (ख) आलस (ग) झूठ (घ) इनमें से कोई नहीं

(v) कुंठित का अर्थ है।
(क) गुस्सा (ख) चिंता (ग) कठिन (घ) इनमें से कोई नहीं

खण्ड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

5 निम्नलिखितवाक्योंकेरचनाकेआधार पर भेदलिखिए - 3
(क) शिक्षिका के समझाने पर छात्र श्रमदान करने लगे।
(ख) वह बुखार से पीड़ित है, इसलिए रजाई ओढ़कर सो रहा है।
(ग) मैंने एक ऐसा आदमी देखा जो तपेदिक से पीड़ित था।

6 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। 4
(क) कर्तृ वाच्य का एक उदाहरण लिखिए।
(ख) संस्था द्वारा धर्मशाला की व्यवस्था की गयी। (वाच्य पहचानिए।)
(ग) अब भोजन किया जाए। (वाच्य पहचानिए।)
(घ) मोहन पुस्तक पढ़ता है। (कर्म वाच्य में बदलिए।)

7 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए। 4
(क) <u>सरला</u> सदा समय पर कार्यालय जाती है।
(ख) जितेन्द्र <u>बाग</u> में चला गया।
(ग) हमारे साथ <u>धीरे-धीरे</u> चलना होगा।
(घ) <u>तुम</u> प्रतिदिन व्यायाम करते हो।

8 निम्न प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 4
(क) करूण रस का स्थायी भाव लिखिए।
(ख) उत्साह किस रस का स्थायी भाव है?
(ग) रौद्र रस का एक उदाहरण दीजिए।
(घ) सरकंडे से हाथ-पांय और मटके जैसो पेट।

पिचके पिचके गाल दोउ मुंह तो इण्डिया गेट।। में रस बताइए।

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक)

9 **निम्नलिखितगद्यांशकेआधार पर पूछे गएप्रश्नोंकेउत्तर दीजिए (2+2+1)** 5

नमक-मिर्च छिड़क दिए जाने से खीरे की पनियाती फांकें देखकर मुँह में पानी जरूर आ रहा था, लेकिन इन्कार कर चुके थे। आत्म-सम्मान निबाहना ही उचित समझा। उत्तर दिया, ''शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही है, मेदा भी ज़रा कमज़ोर है, किबला शौक फरमायें।''

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फांकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ नि:श्वास लिया। खीरे की एक फांक उठाकर होंठों तक ले गए। फांक को सूंघा। स्वाद के आनन्द में पलकें मुंद गईं। मुंह में भर आए पानी का घूंट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फांक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फांकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(1) नवाब साहब ने खीरे का रसास्वादन करने से पूर्व क्या किया तथा रसास्वादन कैसे किया?

(2) लेखक के मुंह में पानी क्यों आ रहा था?

(3) लेखक ने नवाब साहब को क्या जवाब दिया? इसका क्या कारण था?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

10a शरीर से कमजोर तथा सुस्त या किसी तरह हीन अवस्था वालों के प्रति बालगोबिन भगत किस तरह का व्यवहार करना उचित मानते थे तथा आप उनके इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं? 2

10b नवाब साहब ने लेखक को किन शब्दों में खीरा खाने को आमंत्रित किया था और लेखक ने रुचि होते हुए भी किस तहजीब से उत्तर दिया? 2

10c ''मानवीय करुणा की दिव्य चमक'' शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 2

10d ''नेताजी का चश्मा'' पाठ में वर्णित पान वाले के व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए उसके व्यक्तित्व के गुण-दोषों के विषय में अपने विचार प्रगट कीजिए। 2

10e पाठ के आधार पर नेताजी की मूर्ति का परिचय देते हुए बताइये कि उसमें खटकने वाली क्या बात थी और क्यों? 2

11 **निम्नलिखितपद्यांशकोपढ़कर दिएगएप्रश्नोंकेउत्तर लिखिए—(2+2+1)** 5

छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष !
थक गए हो?
आँख लूँ मैं फेर?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?

(क) कवि के स्पर्श से बच्चे पर क्या प्रतिक्रिया हुईऔर क्यों?

(ख) कवि आँखें क्यों एवं क्या सोचकर फेर लेना चाहते हैं?

(ग) कविता में निहित रस का उल्लेख कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

12a कवि देव की भाषा की दो विशेषताओं का नामोल्लेख कीजिए। 2

12b कवि प्रसाद की 'आत्मकथ्य' कविता की भाषा की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 2

12c झोंपड़ी में कमल खिलने का क्या अर्थ है? अपनी कल्पना से लिखिए। 2

12d ''वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो'' पंक्ति में निहित भाव को 'उत्साह' कविता का आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

12e उद्धव गोपियों के लिए कौन-सा रोग लेकर आ गए जैसा न तो उन्होंने सुना, न देखा या अनुभव ही किया। 'पद' के आधार पर लिखिए। 2

13 मछलियों को चारा देकर लौटते समय रास्ते में बाबू जी भोलानाथ के साथ कौन-सी खेल जैसी प्यारभरी क्रिया करते थे? उससे भोलानाथ को कैसा अनुभव होता होगा और आप उनके स्थान पर होते तो आपको कैसा लगता? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए। 5

खण्ड-घ (लेखन)

दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

14 **प्राकृतिक-सुषमा** 10

- भूमिका
- प्रकृति के विविध उपादान
- स्वास्थ्य और प्रकृति-सौंदर्य
- विविध विचार
- उपसंहार

अथवा

सहशिक्षा 10

- भूमिका
- समाज में नारियों का स्थान
- सहशिक्षा का समाज पर प्रभाव
- सहशिक्षा से लाभ
- सावधानियाँ
- उपसंहार

अथवा

'मधुर वचन हैं औषधि' 10

- भूमिका
- वाणी का महत्त्व
- मधुरवाणी की महत्ता
- जीवन में उपयोगिता
- उपसंहार

15 आपके मोहल्ले में चारों ओर गंदगी फैली हुई है। लगता है कि कई दिनों से सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आए। इसकी शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

16 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए—** 5

वह मनुष्य बड़ा ही भाग्यशाली है जिसे विधाता से हास्य और विनोद का बहुमूल्य वरदान मिला हो। फोटोग्राफर फोटो खींचने के समय चाहता है कि आप एक क्षण के लिए मुस्कराएँ, किंतु विधाता फोटोग्राफर चाहता है कि आप जीवन-भर मुस्कराते रहें। जिस मुख पर हास्य की दुग्ध धवल चाँदनी छिटकनी चाहिए उसे क्या अधिकार है कि वह अपनी स्वाभाविक आकृति को अवसाद की काली रेखाओं से अमावस की काली रजनी बना डाले ? सुप्रसिद्ध जापानी कवि नागूची ने भगवान् से वरदान माँगा था, जब जीवन के किनारे की हरियाली सूख गई हो, चिड़ियों की चहक मूक हो गई हो, सूर्य को ग्रहण लग गया हो, मेरा मित्र एवं साथी मुझे काँटों में अकेला छोड़कर कतरा गए हों और आकाश का सारा क्रोध मेरे भाग्य पर बरसने वाला हो, तब हे भगवान, तुम मुझ पर इतनी कृपा करना कि मेरे होठों पर हँसी की एक उजली लकीर खिंच जाए।

-o0o0o0o-